केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवीण - १

रविवार, १५ जुलाई, २०१२ | समय : सुबह ९.०० से १२.०० | कुल गुण : १००

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन — दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (६)	
	२ (५)	
	३ (४)	
	४ (४)	
	५ (८)	
	६ (८)	
	७ (७)	
	८ (५)	
विभाग-१, कुल गुण (४७)		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	९ (९)	
	१० (८)	
	११ (८)	
	१२ (५)	
	१३ (८)	
विभाग-२, कुल गुण (३८)		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१४ (१५)	
विभाग-३, कुल गुण		

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેકર - નામ

परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. **आगे के मुख्य पृष्ठ पर परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

२. परीक्षार्थी को स्पष्ट और सुंदर अक्षर से आगे के पन्ने में मांगी हुई विवरण को लिखना अनिवार्य है ।

३. आप उत्तर पुस्तिका (जवाबवही) में कही भी, किसी भी जगह पर अपना नाम मत लिखें ।

४. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरिक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

५. **बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. प्रश्न के गुण → | गुण : १ | | ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह

७. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

८. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।

९. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

१०. **परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'सबस्टीट्युट राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद्द गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद्द मानी जाएगी ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तरवही के इलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नही होंगे ।**

Important Instructions For Satsang Exam Students

1. **Please do not damage in any way the bar code printed on the front page.**
2. Please write clearly and legibly.
3. Do not write your name on the answer book.
4. On the day of the Final Satsang Examinations, all examinees should obtain the signature of the class supervisor on the answer sheet bearing their own personal details only.
5. Answer books without the signature of the Class Supervisor will **not** be considered **valid.**
6. Marks for Question → | 1 Mark | | ← Space for Examiner to write marks
7. **Write your answers with either a blue or black pen only. Answers written in pencil, or with a red, green or any other coloured pen will not be considered valid. Answers written in more than one coloured ink will not be considered valid.**
8. Follow the instructions while answering. Answers crossed out will not be considered valid.
9. Examinations taken at **unauthorized locations** or in which the exam rules have been violated will not be considered valid.
10. **Without the prior permission of the Pariksha Karyalay in Ahmedabad, answer papers written by substitute writers in place of the original candidate will not be accepted. Answer papers with more than one type of handwriting will not be accepted.**
11. **In Main Exam answers written on extra pages will not be considered valid.**

विभाग - १ : श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना

प्र. १ निम्नलिखित किन्हीं दो विषय के संदर्भ में शास्त्र के तीन प्रमाण दीजिए ।
(संदर्भ शास्त्र का नाम और क्रमांक लिखना अनिवार्य है ।) (कुल गुण : ६)

१. भगवान को निराकार समझने से हानि ।
२. श्रीजीमहाराज सर्वोपरि - गुणातीतानंद स्वामी के अनुसार ।
३. प्रकट भगवान या भगवान के संत द्वारा मोक्ष ।
४. अक्षरब्रह्म - एक और अद्वितीय ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१		प्र-२	

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... गुण : ३ [ ]

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ प्रमाण, सिद्धांत अथवा पंक्ति पर से विषय का शीर्षक दीजिए । (कुल गुण : ५)

१. 'मृत्यु समय तो समुद्र के समान है । इसलिए आत्मनिष्ठा वाले या आत्मनिष्ठाहीन, दोनों को ही भगवान की उपासनारूपी जहाज की आवश्यकता रहती है ।' गुण : १ [ ]

.....

२. 'जीव ईश्वर तणो रे, माया काल पुरुष प्रधान; सौने वश करुं रे, सौनो प्रेरक हुँ भगवान ।' गुण : १ [ ]

.....

३. 'सभी भक्तजनों के समक्ष दृष्टि गोचर होते हैं वे सबके इष्टदेव हैं ।' गुण : १ [ ]

.....

४. 'प्रकट ने भजी भजी पार पाम्यां घणां, गीध गणिका कपिवृंद कोटि ।' गुण : १ [ ]

.....

५. 'ब्रह्मविदाप्नोति परम् ।' गुण : १ [ ]

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. स्वामी के शब्दों में श्रीजीमहाराज की सर्वोपरिता गुण : २ [ ]

(१) [ ] महाराज को पुरुषोत्तम कहने में अटकता है ।

(२) [ ] मेरी आज्ञा की अवज्ञा कर तुम यहाँ क्यों आए ?

(३) [ ] सच्चे उपासक हो तो नित्यानंद स्वामी जैसे हो ।

(४) [ ] मैंने स्वयं यह वचनामृत लिखा है, खोजा भी मैंने ही था, किन्तु इसका रहस्य तो आज ही समझ में आया है ।

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-३		प्र-४	

२. गुणातीत संत की महिमा : प्रसिद्ध संत कवियों के पदों में

गुण : २	

(१) ☐ जेम कोई फूलवाड़ीनां फूल मेली, आकाश फूलनी आशा करे;

(२) ☐ मोरे मन प्रभु अस बिस्वासा । राम ते अधिक राम कर दासा ।

(३) ☐ तप तीरथ वैकुंठ पद मेली, मारा हरिजन होय त्यां हुं आवुं रे ।

(४) ☐ वांची कागल कोई कंथनो, जेम नार अपार राजी थई ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☐ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ४ निम्नलिखित किसी एक प्रसंग का वर्णन करके उसका सिद्धांत लिखें । (कुल गुण : ४)

१. नरक के जीवों की मुक्ति करवाई ।

२. मुझे गर्मी लग रही है, मुझे स्नान करना है ! ठंडा पानी लाओ ।

३. यह साधु तो मेरी मूर्ति का स्वाद लेते हैं ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिद्धांत : .....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☐ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ५ किन्हीं दो विषयों के बारे में विवरण कीजिए । (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. जो मूर्तिमान है वह व्यापक कैसे हैं ?

२. भगवान निराकार है इस विचार का उद्‌भव कैसे हुआ ?

३. गुणातीत संत की महिमा – परमहंसों के पदों में ।

४. अक्षरब्रह्म – साकार मूर्तिमान सदा दिव्यविग्रह ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... गुण : ४

( ) .....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-५	

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ६ निम्नलिखित किन्हीं दो के बारे में कारण लिखें । (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. महापुरुष में दोष की कल्पना नहीं करनी चाहिए ।

२. उत्तम भक्त होने के लिए उत्तम लक्षणवालें संत की सेवा करनी चाहिए ।

३. आत्मानंद स्वामी को श्रीजीमहाराज धाम में ले गए ।

४. स्वयं शास्त्रीजी महाराज भोयका के मालजी सोनी को मिलने गये ।

( ) .....

.....

.....

.....

गुण : ४

( )

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ७ उपासना में क्या समझना चाहिए ? और क्या नहीं समझना चाहिए ? उसके आधार से निम्नलिखित विधानों की पूर्ति कीजिए । (कुल गुण : ७)

(उपासना में क्या समझना चाहिए ?)

१. श्रीजीमहाराज सदा ही अपने .....

.....

.....

.....

.....

..... निर्गुण कर देते हैं । गुण : १

२. जीव .....

.....

..... अनादी तत्त्व है । गुण : १

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-७	

३. पुरुषोत्तम की प्रेरणा .....

.....

.....

.....

..... स्पष्ट भेद है । गुण : १

४. अक्षरब्रह्म का साधर्म्य .....

.....

.....

.....

.....

.....

..... अंत में तीनों रहते हैं । गुण : १

(उपासना में क्या नहीं समझना चाहिए ?)

५. पुरुषोत्तम नारायण .....

.....

..... भक्तों के समान हैं, ऐसा नहीं समझना चाहिए । गुण : १

६. अक्षरब्रह्म मूर्तिमान .....

.....

..... दिव्य तेज है, ऐसा नहीं समझना चाहिए । गुण : १

७. आज्ञा .....

.....

..... मिल सकता है, ऐसा नहीं समझना चाहिए । गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ८ टिप्पणी लिखिए । अक्षर और पुरुषोत्तम का परस्पर सम्बंध । **(कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - ३ और युगविभूति प्रमुखस्वामी महाराज

प्र. ९ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''घर पर बच्चों के लिए कुछ रखा है कि नहीं ?'' **अथवा**

२. ''मुझे स्वामी की लगन लग चुकी है, एकबार मैं ने जो अमृत पी लिया है, अब उसकी ऊलटी कैसे हो सकती है ?''

( ) कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

गुण : ३ [ ]

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-९	

३. ''स्वामिनारायण भगवान यहीं बिराजमान हैं, आप उनसे मिलें ।'' **अथवा**

४. ''तूने जवानी का जोश देखा नहीं है, बाद में मालूम होगा तो पछताएगा ।''

( ) कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

५. ''तुम लोगों को कोई व्यसन भी है ? अपने जीवन को पवित्र और शुद्ध रखना ।'' **अथवा**

६. ''उनसे कहो कि वह चर्च में जाकर धर्मदान करें ।''

( ) कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१० निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. महाराज ने धर्मपुर का राज्य लेने की मना कर दी । **अथवा**

२. श्रीजीमहाराज ने मुक्तानंद स्वामी को धरमपुर भेजा ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... गुण : ४

३. सजल नेत्र से डाह्याभाई ने प्रमुखस्वामी महाराज के दर्शन किए । **अथवा**

४. कार्डीफ शहर में सेवक संतों को चिंता होने लगी ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... गुण : ४

प्र.११ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर विवरण लिखिए । (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. साधु बनने के बाद निष्कुलानंद स्वामी का त्याग वैराग्य । **अथवा**

२. गोपालानंद स्वामी ने करवाया हुआ सत्संग ।

( ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ४

३. प्रमुखस्वामी महाराज की पराभक्ति । **अथवा** ४. मान–अपमान में स्थिरता ।

( ) ....

....

....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-११		प्र-१२	

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. मुक्तानंद स्वामी ने स्त्रियों के लिए कौन से ग्रंथ रचें ? गुण : १

.....

.....

२. मुक्तानंद स्वामी को जहर मिश्रित चंदन की अर्चा करनेवाले को क्या हुआ ? गुण : १

.....

.....

३. सुरत में साधु केशवजीवनदासजी को समाधि में से किसने जाग्रत किया ? गुण : १

.....

.....

४. लंडन में स्वामीश्री अर्धरात्रि में प्रार्थना क्युं करते थे ? गुण : १

.....

.....

५. कौन सी दो पार्लामेन्ट में प्रमुखस्वामी महाराज का सम्मान हुआ है ? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१३	

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. आचार्य महाराज के द्वारा कि गई प्रतिष्ठा — गुण : २ [ ]

(१) [ ] रेवती-बलदेव गढ़डा में (२) [ ] हरिकृष्णदेव खंभात में

(३) [ ] लक्ष्मीनारायण वरताल में (४) [ ] नारायणमुनि पूना में

२. शिवलाल सेठ की मुमुक्षुता । — गुण : २ [ ]

(१) [ ] तेरे जीव के सामने देखता हूँ तो अभी तो तेरा आधा ही सत्संग रह गया है ।

(२) [ ] इस सभा में हड्डी कौन चबा रहा है ?

(३) [ ] तनिक भी दु:ख नहीं हुआ ।

(४) [ ] मुझे भी तेरी तरह भक्ति करना सिखा दे ।

३. स्वामीश्री से मिले हुए राजकीय महानुभाव — गुण : २ [ ]

(१) [ ] श्री दलाई लामा (२) [ ] डॉ. राधाकृष्णन्

(३) [ ] अटलविहारी वाजपेयी (४) [ ] टोनी ब्लेयर

४. प्रमुखस्वामी महाराज की प्रशंसा के प्रतिभाव किस किसने दिए ? — गुण : २ [ ]

(१) [ ] श्री चिन्ना जिअर स्वामी (२) [ ] स्वामी आत्मानंदजी

(३) [ ] प्रो. यारोस्लेव फ्रिच (४) [ ] डॉ. राजेन्द्रप्रसाद

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१४ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ६० पंक्ति में निबंध लिखिए । (कुल गुण : १५)

१. कौटुम्बिक एकता में घरसभा का प्रदान ।

२. मोक्ष का उपाय - सत्पुरुष में आत्मबुद्धि ।

३. उपनिषद के अमर युवापात्र ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें